आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :13 अंक :311 पृष्ठ -4 दिनांक 13 नबम्बर 2024 दिन बुधवार

देवउठनी एकादशी पर मेरठ में आज 750 से ज्यादा शादियां, मंडप, फार्म हाउस, होटल, धर्मशाला सभी बुक

कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवउठनी एकादशी कहा जाता है.

कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवउठनी एकादशी कहा जाता है. मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु चार माह की निद्रा से जागते हैं और मांगलिक कार्य शुरू हो जाते हैं. मेरठ में आज देवउठनी एकादशी की धूम रहेगी. मेरठ का कोई भी मंडप, फार्म हाउस, धर्मशाला, होटल कोई भी खाली नहीं है. इतना ही नहीं गली मोहल्ले में भी टेंट लगाकर शादियां होंगी. लोगों ने कई महीने पहले ही मंडप और होटल बुक करा दिए थे. देवउठनी एकादशी के साथ ही शादी विवाह सहित तमाम धार्मिक आयोजन आज से शुरू हो गए हैं. फेरे कराने के लिए पंडित जी के पास कई कई बुकिंग हैं. कुछ शादियां दिन में तो कुछ रात में होंगी. अलग अलग मुहूर्त में फेरे होंगे और पंडितों ने भी उसी हिसाब से समय निर्धारित किया है. चढ़त के लिए कई महीने पहले घोड़ा बग्गी की भी बुकिंग करा दी गई है. हालांकि कुछ लोग ऐसे हैं कि जिन्हें ना तो घोड़ा बग्गी मिली और न घुड़चढ़ी के लिए घोड़ी.मेरठ मंडप एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज गुप्ता के बताया कि कई महीने पहले सारे मंडप में बुकिंग हो गई थी. लोगों का आना जानी जारी रहा, लेकिन जब उन्हें पता ढलता था कि मंडप सभी बुक हैं तो निराशा हाथ लगती थी. कई लोगों ने शादियों की तारीख बढ़ा ली. मेरठ में 450 मंडप हैं और सभी फुल हैं. मेरठ में आज 750 से ज्यादा शादियां हैं. अब लोग कई महीने पहले ही एडवांस बुकिंग कराकर चले जाते हैं. क्योंकि कई मुहूर्त ऐसे ,हैं जिनमें सब कुछ कई महीने पहले बुक हो जाता है.जाम से निपटना पुलिस प्रसाशन के लिए चुनौती

देवउठनी एकादशी पर जाम से निपटना पुलिस प्रशासन के लिए किसी चुनौती से कम नहीं होगा. दिल्ली रोड, गढ़ रोड, कंकरखेड़ा सहित तमाम इलाकों में सड़क पर चढ़त होने से जाम लगता है और आज भी यही होगा. सड़क पर

चढ़त होने और वहां गलत तरीके से मंडप के बाहर लगने से जाम लगता है और कई किलोमीटर लंबी कतारें लगती हैं. जाम से निजात के लिए एसपी ट्रैफिक राघवेंद्र मिश्रा ने मेरठ मंडप एसोसिएशन के साथ महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें मंडप एसोसिएशन से जाम से कैसे बचा जाए इस पर मंथन हुआ. क्या बोले मेरठ मंडप एसोसिएशन के महामंत्री मेरठ मंडप एसोसिएशन के महामंत्री विपुल सिंघल ने बताया कि मंडप एसोसिएशन ने सड़क पर होने वाली आतिशबाजी को रोकने, बड़े वाहनों की एंट्री शहर में 10 के बजाय 12 बजे करने, डीजे बजाने की समय सीमा 10 बजे करने की मांग रखी है वहीं एसपी ट्रैफिक राघवेंद्र मिश्रा ने आदेश दिए कि मंडप के बाहर वाहनों की सही से पार्किंग कराएं और सीसीटीवी कैमरे से पैनी नजर रखें.

आतंकी कहने पर सीएम योगी ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को जवाब दिया

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर दिया गया विवादित बयान अब राजनीति और धार्मिक हलक. ों में गर्मा गया है. खड़गे ने योगी आदित्यनाथ के गेरुआ वस्त्र को लेकर एक विवादित टिप्पणी की थी, जिसके बाद अब सीएम योगी ने खुद उन्हें जवाब दिया है. सीएम योगी मंगलवार को महाराष्ट्र के अचलपुर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं एक योगी हूं और एक योगी के लिए देश पहले होता है. खरगे जी आपके लिए कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति पहले है. दरअसल, मल्लिकार्जुन खड़गे ने झारखंड में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और संतों को लेकर कहा था कि कई साधु अब रा. जनेता बन गए हैं और वे गेरुआ कपड़े पहनकर समाज में नफरत फैला रहे हैं और लोगों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं.कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा था कि वे लोगों के बीच नफरत फैला रहे हैं और उन्हें बांटने की कोशिश कर रहे हैं. बटेंगे तो कटेंगे जैसे बयान कोई साधू का बयान है ? कोई साधू ऐसा बयान नहीं दे सकता. ये बात आतंकी कह सकते हैं ,आप नहीं . कोई नाथ संप्रदाय का साधू ऐसी बात कर ही नहीं सकता. हम डरेंगे तो मरेंगे , हम डरने वाले नहीं है.मल्लि. कार्जुन खड़गे का ये बयान अब एक विवाद का रूप ले चुका है और इसे लेकर भाजपा और संत समाज की ओर से तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की जा रही है. मल्लिकार्जुन खड़गे पर धार्मिक भावनाओं को भड़काने का आरोप लग रहा है. भा. जपा और उसके सहयोगी दलों ने भी खड़गे के बयान पर हमला बोला. उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने इसे कांग्रेस की पुरानी मानसिकता करार दिया.उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास हमेशा से झूठ बोलने और समाज में दरार डालने का रहा है. कांग्रेस ने कभी भी हिंदू धर्म और सनातन संस्कृति का सम्मान नहीं किया. कांग्रेस पार्टी की तुलना मुगल आक्रांताओं से करते हुए ब्रजेश पाठक ने तत्काल माफी मांगने के लिए कहा. मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास बांटकर सत्ता हासिल करने का है.

अखिलेश यादव ने फिर किया सीएम योगी की कुर्सी जाने का दावा, कहा- दिल्ली वाले मौका देख रहे हैं

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुरादाबाद के कुंदरकी में चुनावी जनसभा की. इस दौरान उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ पर जमकर निशाना साधा और कहा कि हमारे मुख्यमंत्री पढ़े–लिखे नहीं है इसलिए वो पीडीए की भी गलत फुल फॉर्म बता रहे हैं. यही नहीं उन्होंने ये भी दावा किया कि जल्द ही उनकी कुर्सी जाने वाली है. महाराष्ट्र चुनाव के बाद दिल्ली वाले उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटा देंगे. अखिलेश यादव ने कहा कि अगर प्रशासन ने बे. ईमानी नहीं की होती तो लोकसभा चुनाव में हमारी गिनती और बढ़ गयी होती. बीजेपी यूपी से आई है और यूपी से ही उनका सफाया होगा. इंडिया गठबंधन और पीडीए ने भाजपा को हरा दिया. बीजेपी के लोग नकारात्मक हैं इनकी सोच और राजनीति नकारात्मक है. सीएम योगी पर साधा निशाना सपा अध्यक्ष ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री को अंग्रेजी नहीं आती है उन्होंने पीडीए का फॉर्म जो निकाला वह हमारी समझ में नहीं आ रहा. इसमें एच कहां से आ गया? ये पिछड़ों, दलितों, आदिवासी, अल्पसंख्यको और

माता बहनों से नफरत करते है. ये सरकार लाठी चला रही है लेकिन, लाठी चलाने वालों याद रख लो जैसी सेवा आप कर रहे हो वैसी सेवा आप को मिलेगी. यूपीपीएससी वालों पर लाठी चलाई जा रही है. भाजपा प्रत्याशी रामवीर सिंह ठाकुर के टोपी और रुमाल पहनने पर अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी प्रत्याशी अपनी वेषभूषा बदलकर वोट मांग रहे है. सुना है वो बदल गए हैं रामायण जिन्होने देखी होगी वो जानते हैं हमारी सीता मैया का अपहरण भी भेष

बदलकर हुआ था तो ऐसे लोगो से हो. शियार रहना है. भाजपा वालों ने हमारे जाने के बाद मंदिर धुलवाया, मुख्यमंत्री आवास धुलवाया था, क्या पीडीए परिवार यह बर्दाश्त कर सकता है? यह लड़ाई बहुत पुरानी है ये हमें जाति वादी कहते हैं और ये खुद ही जातिवादी है. उन्होंने कहा कि हम संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रहे है. यह लड़ाई जब पूरी होगी जब दिल्ली लखनऊ से भाजपा का सफाया होगा. अभी तो इन्हें हमने रोका है इन्हें हटाना बाकी है. जब से भाजपा हारी है इन्हें नींद नहीं आ रही. इन्हें सोते हुए भी अयोध्या याद आ जाती है. पीडीए पॉजिटिव पॉलिटिक्स करता है. ये लोग घबराये हुए हैं. सीएम योगी की कुर्सी जाने वाली है अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव के बाद ये (योगी आदित्यनाथ) हटने वाले हैं. गुस्सा वो कहीं और दिखाना चाहते हैं. दिल्ली वालों ने तय कर लिया है कि महाराष्ट्र के चुनाव के बाद इनकी कुर्सी छिन जाएगी. दिल्ली गए थे कि अपना कुछ बनवा लें लेकिन, अभी कार्यवाहक ही चल रहा है वर्दी वालों का सबसे बड़ा अधिकारी अभी कार्यवाहक है दिल्ली वाले इनकी कुर्सी छीनने का मौका देख रहे है. महाराष्ट्र में भाजपा के हारते ही इनकी कुर्सी छीन जाएगी. अखिलेश यादव ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि वो लोगों को जगह–जगह जाकर बता रहे हैं कि बंटोगे तो कटोगे. वो ये नारा अंग्रेजों से सीखकर आए हैं डिवाइड एंड रूल वाले लोग हैं. ये उन्हीं अंग्रेजों के वचन वंशी, विचार वंशी हैं. भाजपा वाले डर के व्यापारी है. भय का कारोबार कर रहे हैं पहले भी ये मुखबिरी करते थे आज भी ये चिल्ला–चिल्ला के मुखबिर बन गए है. वस्त्र से कोई संत नही बन जाता अपने विचारों और वचन से संत होता है. ये लोग जितना चुनाव टालेंगे उतना बुरा हारेंगे.

बागपत दहेज में 10 लाख रूपये की मांग पूरी न करने पर कमरा में लगाया हिडन कैमरा, पति और सास-ससुर पर FIR दर्ज

बागपत में ससुराल वालों द्वारा दहेज की मांग पूरी न होने पर बहू के बेडरूम में हिडन कैमरा लगाया गया. बहू को कैमरे के बारे में पता चलने पर उसने तीनों आरोपियों (सास, ससुर और पति) के खिलाफ शिकायत दर्ज कराईदहेज की मांग पूरी न होने पर ससुराल में बहू के साथ मारपीट की घटनाएं तो सामने आती रहती थीं, लेकिन एक मामला ऐसा भी सामने आया है. जहां पर दहेज की मांग पूरी न होने पर बहू को ब्लैकमेल करने के लिए सास, ससुर व पति ने उसके बेडरूम में हिडन कैमरा ही लगवा दिया. बहू को बेडरूम में कैमरा लगे होने की जानकारी हुई को तो मामला थाने पहुंच गया. तीन आरोपियों पर मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस ने विवेचना शुरू कर दी है.दरअसल पूरा मामला खेकड़ा कोतवाली क्षेत्र के रटौल गांव का है. जहां रहने वाली पुष्पा की शादी पांच साल पहले करावलनगर के थाना दयालपुर क्षेत्र के रोशन विहार में जितेंद्र कुमार से हुई थी. शादी में ससुराल पक्ष के लोगों को आल्टो कार, लगभग 25 लाख रुपये के आभूषण, सामान के अलावा नगदी भी दी थी. शादी के कुछ महीने बाद ही पति जितेंद्र कुमार, ससुर सुंदरपाल, सास राजवती, ननद रीना पुष्पा से दहेज की मांग करने लगे. रुपये यह कहकर मांगे गए कि जितेंद्र को पंचकर्मा डाक्टरी की पढ़ाई के लिए 10 लाख रुपये की आवश्यकता है.क्या बोली पीड़िता पुष्पा पीड़िता पुष्पा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुराल में उसका उत्पीड़न किया जाना लगा. आरोपी उसके साथ मारपीट भी करने लगे. उसका ससुर उसे घूरकर देखने लगा. कई बार उसने मायके से एक लाख रुपए लाकर दिए, लेकिन आरोपियों की मांग जारी रही. सास,ससुर व पति ने ब्लैकमेल करने के लिए उसके बेडरूम में हिडन कैमरा लगा दिया, जिससे वह उसकी अनचाही वीडियो देख सके और ब्लैकमेल कर उससे रुपये मंगवा सके. तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज पुष्पा ने बताया कि 19 सितंबर 2024 की शाम उसे बेडरूम में लगे हिडन कैमरे की जानकारी हुई तो उसके पति, सास व ससुर ने उसके साथ मारपीट कर दी. दहेज की मांग पूरी न होने पर उसके पति ने अन्य लड़कियों से अवैध संबंध रखने शुरू कर दिए. वह विरोध करती तो आरोपी पति उसके साथ मारपीट करने लगा. एएसपी एनपी सिंह ने बताया कि पुष्पा की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए विवेचना शुरू कर दी है. विवेचना के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे, उन्हीं के अनुसार कार्रवाई की जाएगी.

हथियार लहराए, गाड़ी का किया पीछा फर्रुखाबाद के जज ने 4 नवंबर को मांगी थी सुरक्षा न मिलने पर इन्हें लिखा पत्र

फर्रुखाबाद के विशेष न्यायाधीश ईसी एक्ट डॉ. अनिल कुमार को एक सप्ताह बाद भी अभी तक सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं कराई गई है। न्यायाधीश को 29 अक्तूबर को फर्रुखाबाद से नोएडा जाते समय रास्ते में असलहे दिखाए गए थे। उन्होंने इसके पीछे सुंदर भाटी गिरोह पर शक जताया था। उन्होंने चार नवंबर को जिला जज के माध्यम से एसपी को पत्र भेज कर सुरक्षा की मांग की थी।विशेष न्यायाधीश डॉ. अनिल कुमार ने जनपद गौतमबुद्ध नगर में एडिशनल सेशन जज रहते हुए पांच अप्रैल 2021 को सुंदर भाटी, ऋषिपाल सिंह, सिंहराज, योगेश, विकास पंडित, कालू भाटी उर्फ कविंद्र, दिनेश भाटी, अनूप भाटी, यतेंद्र चौधरी, सोनू, बॉबी उर्फ शेर सिंह और सुरेंद्र पंडित सहित गैंग के 11 सदस्यों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।जज के मुताबिक तब से सुंदर भाटी और गैंग के सदस्य रंजिश मानते हैं। सजा सुनाने के बाद उनको चार पुलिस कर्मियों की सुरक्षा उपलब्ध कराई गई थी।गौतमबुद्ध नगर से तबादला होने के बाद 21 नवंबर 2023 को यह सुरक्षा हटा ली गई। बीती 22 नवंबर को उन्होंने जिले में ज्वाइन किया। इसके बाद पत्र भेज कर तत्क. ालीन पुलिस अधीक्षक विकास कुमार से सुरक्षा के बारे में बताया था, लेकिन सुनवाई नहीं हुई।उन्होंने बताया कि सजा सुनाने के बाद से गैंग हमले की फिराक में है। इसी गिरोह के सदस्यों ने नोएडा स्थित घर जाते समय जट्टारी के पास बोलेरो कार से पीछा किया था। कार से बदमाशों ने उनको पिस्तौल दिखाकर भी डराया। इस बारे में उन्होंने अलीगढ़ के खैर में रिपोर्ट दर्ज कराई है।घटना के बाद चार नवंबर को जिला जज के माध्यम से पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी को पत्र भेज कर उनकी व गौतमबुद्ध नगर में रह रहे परिवार की सुरक्षा की मांग की थी। पत्र भेजने के बावजूद अभी तक उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसी किसी वारदात का अंदेशा जताया। 29 को वारदात, 12 दिन बाद दर्ज हुई रिपोर्ट घटना की रिपोर्ट दर्ज करने में भी पुलिस ने लापरवाही दिखाई। विशेष न्यायाधीश के साथ 29 अक्तूबर को वारदात हुई थी। उन्होंने बताया कि वारदात के बारे में चौकी इंच. ार्ज संदीप कुमार को तुरंत जानकारी दी थी। बाद में एसएसपी के पीआरओ, खैर थानाध्यक्ष को भी मोबाइल से रात 9 28 बजे बताया था। 30 अक्तूबर को एसएसपी अलीगढ़ को ईमेल से रिपोर्ट दर्ज करने के लिए पत्र भेजा था। इसके बावजूद 10 नवंबर को रिपोर्ट दर्ज की गई। कार्रवाई के लिए मुख्य सचिव को भेजा पत्र पुलिस की अनसुनी से खिन्न विशेष न्यायाधीश ने सूबे के मुख्य सचिव गृह, डीजीपी, आईजी जोन व डीआईजी आदि को भी कार्रवाई के लिए पत्र भेजे हैं। बोलेरो का नंबर बताया गया फर्जी 29 अक्तूबर को वारदात में प्रयुक्त बोलेरो की नंबर प्लेट संख्या यूपी 81– 7882 जांच के बाद फर्जी निकली। जानकारी करने पर पता लगा कि इस नंबर की कोई भी बोलेरो परिवहन विभाग में दर्ज नहीं है। लिहाजा यह साबित होता है कि गाड़ी पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर वारदात को अंजाम देने की कोशिश की गई।वारदात सुर्खियों में आने के बाद जागी पुलिस अलीगढ़ के खैर थाना में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद खबर मीडिया की सुर्खियों में आई। खबर देखकर पुलिस प्रशासन जागा। एसओजी प्रभारी सचिन चौधरी ने अपनी टीम के साथ न्यायालय पहुंचकर घटना के संबंध में जानकारी की।घटना के संबंध में प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ है, जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

कुर्सी गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों का माल जलकर .राख, फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत से पाया काबू

कानपुर में जूही स्थित कुर्सी गोदाम में देर रात भीषण आग लग गई। स्थानीय लोगों ने धुंआ उठता देख पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी ने कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। घटना में लाखों को माल जलकर राख हो गया। फिलहाल, आग लगने की वजह पता नहीं चल सकी है।मिली जानकारी के अनुसार, जूही थाना क्षेत्र में देर रात लगभग दो बजे राखी मंडी, जुही परमपुरवा में हादसा हुआ है। यहां संचालित एक कुर्सी में गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। आग की विकरलता भयानक थी। लोगों ने आनन फानन फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी। पहले एक गाड़ी पहुंची थी, जिसके बाद अन्य यूनिट्स भी पहुंची और आग पर काबू पाया गया।

दिल्ली पुलिस ने मोती नगर डकैती मामले में किया बड़ा खुलासा, मुख्य आरोपी निकला पीड़ित का कुक

दिल्ली पुलिस की पश्चिमी जिला टीम ने मोती नगर में हुई डकैती के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है. इस मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों की पहचान पंकज कुमार, राकेश, राजेंद्र प्रसाद और श्याम बाबू के रूप में हुई है. ये सभी यूपी के गोंडा जिले के रहने वाले हैं. इनके पास से पुलिस ने सोने की दो चूड़ियां, दो अंगूठी और डकैती की रकम से 50 हजार रुपये कैश बरामद हुए हैं. पश्चिमी दिल्ली के डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि 28 अक्टूबर 2024 को लगभग 7 बजकर 30 मिनट पर मोती नगर थाने में डकैती की शिकायत मिली थी.
शिकायतकर्ता ने बताया कि 7 से 8 लोग उनके घर में घुसकर 11 लाख रुपये और कुछ ज्वेलरी लूट ले गए. इस दौरान फायरिंग भी हुई थी.
शिकायतकर्ता के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की गई. सभी आरोपी गोंडा के इस मामले की जां के लिए पश्चिमी जिला पुलिस की ऑपरेशन टीम और मोती नगर थाना पुलिस की संयुक्त टीमों का गठन किया गया. टीम ने तकनीकी निगरानी और मै. नुअल इंटेलिजेंस के आधार पर आरोपियों की पहचान की और श्याम बाबू को सबसे पहले गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद अन्य आरोपियों की पहचान हुई. पूछताछ में पता चला कि सभी आरोपी उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले से हैं

और दिल्ली में विभिन्न स्थानों पर कुक और डॉमेस्टिक हेल्पर के रूप में काम करते हैं.आरोपियों में एक था पीड़ित का कुक दिल्ली पुलिस के मुताबिक पंकज कुमार जो पहले शिकायतकर्ता के घर में कुक था, ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर इस वारदात की साजिश रची थी. उसने डेढ़ साल तक शिकायतकर्ता के घर में काम किया था. उसे पता था कि त्योहार के समय उनके घर में काफी कैश और ज्वेलरी होती है. खुले घर में काफी लोगों की आवाजाही भी रहती है, जिससे वे लोग आसानी से लूट की वारदात को अंजाम दिया जा सकता है. आरोपियों के पास से कीमती सामान बरामद दिल्ली पुलिस ने दोनों आरोपियों से सोने की दो चूड़ियां, दो अंगूठियां और 50 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं. इस मामले में आगे की जांच में जुट कर पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जगह–जगह दबिश डाल रही है.

अज्ञात वाहन की टक्कर से चालक की मौत, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

कानपुर के सरसौल कस्बे में सोमवार मध्य रात्रि महाराजपुर थाना क्षेत्र में दर्दनाक सड़क हादसा हो गया।
नवोदय नगर के पास हाईवे किनारे वाहन खड़ा कर एक चालक पहिए की हवा चेक कर रहा था। तभी अज्ञात वाहन ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। महाराजपुर थाना प्रभारी संजय कुमार पांडेय ने बताया मध्य रात्रि नवोदय नगर के पास दुर्घटना की सूचना मिली थी मौके पर जाकर मृत मिले चालक की शिनाख्त
के प्रयास किए गए, जिसमें चालक की शिनाख्त बर्रा थाना क्षेत्र के रहने वाले जितेंद्र सिंह के रूप में हुई है। परिजनों को सूचना दी गई थी। परिजनों के पहुंचने के बाद शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। नेशनल हाईवे किनारे अतिक्रमण की वजह से आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं हाईवे किनारे खड़े वाहन बन रहे हैं दुर्घटना का कारण एनएचएआई के रात्रि गस्त करने वाली टीम के प्रभारी राकेश ने बताया कि उनका पेट्रोलिंग क्षेत्र लगभग 80 किलोमीटर तक फैला हुआ है। हाइवे किनारे खड़े वाहनों को लगातार हटवाया जाता है, लेकिन हम लोगो के कुछ दूर जाने के बाद स्थिति फिर से वही हो जाती है। हादसों को रोकने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

ससुर ने कराई दुकान, 20.40 लाख के आभूषण लेकर दामाद फरार

ककोड़। ससुर ने दामाद के रोजगार के लिए उसे लाखों रुपये खर्च आभूषण की दुकान कराई। मगर दामाद 20.40 लाख के आभूषण लेकर फरार हो गया। वही ससुरालिए विवाहिता को अतिरिक्त दहेज में कार, 20 लाख नकद की मांग को लेकर भी प्रताड़ित करते थे।
मोहल्ला वैश्यान निवासी संदीप कुमार वर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि अपनी पुत्री उर्मिला वर्मा उर्फ गुनगुन की 21 अप्रैल 2024 में शादी उत्तम नगर दिल्ली निवासी सचिन वर्मा उर्फ चीनू के साथ की थी। शादी में उन्होंने 50 लाख रुपये खर्च किए थे। शादी से पहले उन्हें बताया गया था कि सचिन गुडगांव में कंपनी में नौकरी करता है। मगर कुछ दिन बाद ही वह नौकरी छोड़ने का झूठा बहाना बनाकर घर पर बैठ गया और उसके पिता राकेश वर्मा, मा संतोष वर्मा, ताऊ नरेश वर्मा, अतिरिक्त दहेज में स्का. र्पियो कार, 20 लाख नकद की मांग को लेकर उनकी पुत्री को प्रताड़ित करने लगे। सास संतोष देवी ने दवाई खिलाकर उनकी पुत्री का गर्भपात करा दिया। बेटी का दाम्पत्य जीवन बचाने के लिए उन्होंने 30 लाख रुपये लगाकर पांच अक्तूबर 2024 को दामाद को कस्बे में उर्मिला ज्वैलर्स के नाम से ज्वैलरी की दुकान करा दी। लेकिन सचिन ने व्यापार में कोई ध्यान नहीं दिया। 26 अक्तूबर की शाम में 20.40 लाख रुपये की कीमत के आभूषण लेकर फरार हो गया। उनके काफी प्रयास के बाद भी ससुरालियों ने आभूषण वापस नहीं किए और बिना दहेज की मांग पूरी हुए बेटी को भी घर में रखने से इंकार कर दिया। सीओ पूर्णिमा सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर आरोपी पति सचिन, ससुर राकेश वर्मा, सास संतोष वर्मा, ताऊ नरेश वर्मा के खिलाफ बीएनएस की धारा 85 क्रूरता करने, 89 बिना सहमति के गर्भपात कराने, 352 अपमानित करने,316(2) आपराधिक विश्वासघात करने, दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

एटा में बरातियों से भरी तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर पलटी, 20 घायल

यूपी के एटा थाना पिलुआ क्षेत्र में हाईवे पर दिल्ली के अमन विहार सुल्तानगंज से नवीगंज मैनपुरी जा रही बरात की बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में 20 लोगों के घायल होने की सूचना है।दिल्ली के अमन विहार निवासी गंगा सिंह ने बताया कि मोहल्ले के पप्पू के बेटे हरीश की बरात जा रही थी। यह बरात बस के माध्यम से मैनपुरी जिले के नवीगंज थाना क्षेत्र में स्थित दऊआ खेड़ा गांव के लिए निकली। उन्होंने बताया कि बस जैसे ही पिलुआ थाना क्षेत्र के नगरिया मोड़ के आ. सपास बस पहुंची। गति अधिक होने से अनियंत्रित होकर हाईवे से नीचे खेत में पलट गई। पलटते ही बस में चीख पुकार मच गई। चीख पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बस में फंसे हुए घायल लोगों को बाहर निकाला। सभी घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से एटा मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। अभी तक दर्जनभर से अधिक घायल मेडिकल कॉलेज पहुंचे चुके हैं।

आलीशान कोठी, अंदर ऐसे हाल में मिलीं लड़कियां, शर्म से पानी–पानी हुई पुलिस

आगरा के ताजगंज के बसई खुर्द इलाके में देह व्यापार के अड्डे पर कोलकाता और मुंबई की दो किशोरियों को बंधक बनाया गया था। पुलिस चौकी करीब होने के बाद भी इलाकाई पुलिस बेखबर थी। सोमवार को दिल्ली की फ्रीडम फर्म एनजीओ ने पुलिस की मदद से छापा मारने की कार्रवाई कराई। दोनों किशोरियों के साथ 6 को मुक्त कराया। वहीं दो संचालिकाएं और 8 ग्राहक भी पकड़े गए। मकान में बने अड्डे से बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक वस्तुएं बरामद हुई हैं।एसीपी डॉ. सुकन्या शर्मा ने बताया कि एनजीओ ने जानकारी दी थी कि बसई खुर्द स्थित मुकुंद विहार में एक मकान में देह व्यापार कराया जा रहा है। टीम बनाकर 65 वर्षीय महिला के घर पर छापा मारा गया। मोहल्ले में ही उनके दूसरे घर की तलाशी ली गई। वहां 8 ग्राहक, 4 महिलाओं के साथ दो किशोरियां मिलीं।पूछताछ में पता चला कि वृद्धा देह व्यापार करा रही थी। इसमें उसका सहयोग रिश्तेदार महिला और बहू कर रही थीं। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। वृद्धा को अभी नहीं पकड़ा गया है।देह व्यापार के अड्डे पर मिलीं दो किशोरियों में एक कोलकाता तो दूसरी मुंबई की है। दोनों किशोरियों को काम दिलाने के बहाने आगरा बुलाकर बंधक बना लिया गया। धौलपुर की रहने वाली दो महिलाओं को भी लालच देकर पेशे में शामिल करा दिया। उन्हें मोबाइल भी नहीं दिया जाता है।पुलिस ने बताया कि मुख्य संचालिका की बहू और रिश्तेदार ग्राहकों को बुलाया करती थीं। इसके लिए उसके मोबाइल पर लोगों के कॉल आते थे। वह व्हाट्सएप पर लड़कियों के फोटो भेजा करती थीं। किशोरी के लिए 2500 तो महिलाओं के लिए 1000 रुपये तक वसूले जाते थे। रिक्शा और ऑटो चालक भी ग्राहक लेकर आते थे।ता. जगंज क्षेत्र में भी पकड़े गए मामले ताजगंज क्षेत्र में किशोरियों को बंधक बनाकर रखा गया था। मगर, पुलिस को भनक तक नहीं थी। इससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं। जिस इलाके में यह काम हो रहा था, वहां से पुलिस चौकी नजदीक है। इसके बावजूद दिल्ली की संस्था ने कार्रवाई की। एसीपी ने बताया कि मामले में अनैतिक देह व्यापार निवारण अधिनियम सहित अन्य धारा में मुकदमा दर्ज किया जाएगा।
आरोप लगाया गया कि संचालिका किशोरियों के विरोध करने पर मारपीट करती थी। उन्हें भूखा भी रखती थी। ग्राहकों को खाने से लेकर पीने के लिए शराब और बीयर तक उपलब्ध कराई जाती थी। पुलिस ने दोनों घरों को घेरकर कार्रवाई की। छोटे से मकान में यह काम किया जा रहा था।

लड़की के मुंह में ठूंसा कपड़ा, ताकि चीख न सके... गिड़गिड़ाती रहीय दरिंदे का नहीं पसीजा दिल

मैनपुरी के थाना औंछा क्षेत्र के एक गांव में घर में अकेली किशोरी को आरोपी ने दबोच लिया। जब वह चीखने लगी तो मुंह में रूमाल ठूंस कर दुष्कर्म किया। जानकारी होने के बाद पीड़िता के परिजन शिकायत करने गए तो आरोपी के परिजनों ने हाथापाई कर दी। पुलिस ने तहरीर के आाधर पर आरोपी और उसके परिवार के लोगों के खिलाफ मुक. दमा दर्ज कर लिया है। वहीं घटना के बाद आरोपी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही है। औंछा क्षेत्र के एक गांव निवासी एक व्यक्ति रविवार को अपनी दुकान पर थे। पत्नी बाजार खरीदारी करने के लिए गई हुई थीं। इस बीच आरोपी अभिषेक शाक्य घर में घुस आया। घर में अकेली किशोरी को आरोपी ने पकड़ लिया और अश्लील हरकत करना शुरू कर दिया। जब किशोरी ने शोर मचाया तो आरोपी ने उसके मुंह में रूमला ठूंस दिया और फिर किशोरी के साथ दुष्कर्म किया।प. ीड़िता की मां को देखकर भागा
इस बीच पीड़िता की मां घर में आ गई। उनके देखकर आरोपी वहां से भाग निकला। पीड़िता के घरवाले जब शिकायत करने दरिंदे के घर पहुंचे, तो वहां भी उनके साथ मारपीट कर दी गई। बताया गया है कि आरोपी के अभिषेक के पिता ब्रह्मानंद शाक्य और चाचा रविंद्र शाक्य ने मारपीट कर दी। पीड़ित परिवार ने वहां से भाग कर जान बचाई।दर्ज कराया मुकदमा
इसके बाद पीड़ित परिवार न्याय की गुहार लेकर थाना औंछा पहुंचा। यहां पुलिस ने तत्काल ही किशोरी को मेडिकल के लिए भेजा। जिसके बाद पीड़ितों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद आरोपी फरार हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है।

दुल्हन के हाथों में रची रह गई मेहंदी, लड़के ने दूसरी जगह तय कर ली शादी

एटा। अलीगंज थाना क्षेत्र में एक युवती की बरात मंगलवार को आनी थी। घर में विवाह की काफी हद तक तैयारियां हो चुकी थीं। इसी बीच लड़की वालों को पता लगा कि लड़के की शादी दूसरी जगह तय कर ली गई है। इस पर उन्होंने लड़के व अन्य परिजन पर अति. रिक्त दहेज मांगने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। दुल्हन के हाथों में मेहंदी रची रह गई।ग्राम नगला उम्मेद निवासी एक व्यक्ति ने सोमवार को थाना अलीगंज में तहरीर दी। बताया कि मैंने अपनी पुत्री की शादी थाना बिछवां जिला मैनपुरी निवासी विकास सिंह चौहान के साथ तय की थी। 15 मार्च को गोदभराई की रस्म दोनों परिवार के लोगों की मौजूदगी में की गई। विवाह की तारीख 12 नवंबर निश्चित की गई थी। विवाह के कार्ड कई दिन पहले छपवाकर बंटवा दिए। अन्य तैयारियां भी चल रही थीं, गेस्ट हाउस में भी कार्यक्रम की तैयारी की जा रही थी।हम लोगों को पता लगा है कि विकास का विवाह कहीं और तय कर दिया गया है। जिसके विवाह का कार्ड हमें शिवमंदिर में मिला। शादी की तारीख भी 12 नवंबर है। जब हमने लड़के वालों से फोन पर बात की तो उन्होंने अतिरिक्त दहेज की मांग की। गांव के कुछ लोगों को लेकर मैं लड़के के घर पर गया तो लड़के के पिता रा. जवीर सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने शादी करने से साफ मना कर दिया। सीओ अलीगंज सुधांशु शेखर ने बताया कि आरोपों की जांच कर कार्रवाई कराई जाएगी।

प्रेमिका के साथ फ्लैट में पकड़ा गया डॉक्टर, जमकर हुई पिटाई, प्रेमिका ने काट ली हाथ की नस

मुरादाबाद के सिविल लाइंस क्षेत्र में एक डॉक्टर को प्रेमिका से मिलने के दौरान उसके परिवार ने पकड़कर पीट दिया। गुस्से में आकर प्रेमिका ने अपनी हाथ की नस काट ली और गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने चिकित्सक को हिरासत में लिया है। महिला का इलाज अस्पताल में चल रहा है।सिविल लाइंस क्षेत्र के कांठ रोड स्थित एक अपार्टमेंट में सोमवार की देर रात एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई। एक दंत रोग विशेषज्ञ को प्रेमिका से मिलने के दौरान उसके परिजनों ने पकड़ लिया। इसके बाद जमकर हंगामा हुआ और प्रे. मिका ने अपने हाथ की नस काट ली। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।. दंत रोग विशेषज्ञ को पुलिस के हवाले किया गया, जबकि महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के अनुसार, दंत रोग विशेषज्ञ रात के समय अपनी प्रे. मिका से मिलने उसके फ्लैट में पहुंचे थे। महिला के पति और कुछ अन्य पड़ोसी वहां मौजूद थे।प्रेमिका के पति को जैसे ही इस बारे में पता चला, उसने अपने पड़ोसियों की मदद से दंत रोग विशेषज्ञ को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। दंत रोग विशेषज्ञ की पिटाई से बचने के लिए इधर–उधर भागने लगा। इस पूरी घटना के दौरान प्रेमिका ने गुस्से में आकर घर में रखे गिलास को तोड़ अपने हाथ की नस काट ली।खून बहने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिवार के लोगों ने उसे आनन–फानन नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसका अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस को घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने दंत रोग विशेषज्ञ को हिरासत में लिया।दंत रोग विशेषज्ञ के खिलाफ कोई आधिकारिक शिकायत नहीं दी गई है, लेकिन पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। महिला का मेडिकल परीक्षण भी देर रात कराया गया। बताया जाता है कि वह मानसिक तनाव में है। इलाके में इस घटना को लेकर चर्चाएं तेज हैं और लोग इस पर तरह–तरह के कयास लगा रहे हैं। प्रेमिका ने शादी से किया इनकार तो जहर पी लियाप्रेमिका ने शादी से इनकार किया तो युवक ने जहर पी लिया। हालत बिगड़ने पर परि. जनों ने युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। मझोला थाना क्षेत्र का रहने वाला युवक एक निजी अस्पताल में काम करता है। वह मोहल्ले की रहने वाली स्नातक छात्रा से प्यार करता है।युवक को पता चला कि प्रेमिका के परिजन उसकी शादी अन्य युवक से करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने छात्रा को घर से बाहर निकलने पर पा. बंदी लगा दी है। रविवार को बातचीत होने पर प्रेमिका ने युवक से शादी से इन्कार कर दिया। इसी से क्षुब्ध होकर प्रेमी ने जहर पी लिया।हालत खराब होने पर परिजनों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। इस बारे में पुलिस का कहना है कि शिकायत मिलने पर कार. ्वाई की जाएगी। अभी तक परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है।

बांदा में युवक का शव पड़ोसियों के घर के बाहर पड़ा मिला, पत्नी ने लगाया हत्या का आरोप, जांच में जुटी पुलिस

बांदा जिले में शहर कोतवाली क्षेत्र के हरदौली कांशीराम कॉलोनी में युवक का शव पड़ोसियों के घर के बाहर पड़ा मिला है। मृतक की पत्नी ने हत्या का आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

हिंदू इंटर कॉलेज में सड़क सुरक्षा व यातायात के नियमों का पालन हेतु किया गया आयोजन

अलीगढ़ (जननायक सम्राट) यातायात माह के उपलक्ष्य में हिंदू इंटर कॉलेज अचलताल अलीगढ़ में सड़क सुरक्षा व यातायात के नियमों के पालन हेतु विभाग से आए हुए यातायात विभाग के विभिन्न अधिकारियों श्री विनय सागर शुक्ला ,श्री बलबीर सिंह चौहान , श्रीविजयपाल सिंह, श्री मुकेश कुमार व श्रीअनिल कुमार ने विद्यालय परिसर में प्रार्थना सभा में यातायात के नियमों का पालन करने हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य डॉक्टर राम किशन शर्मा की अध्यक्षता में हुआ।इस अवसर पर विजयपाल सिंह ने वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना आवश्यक बताया तथा बिना 18 वर्ष पूरे हुए विद्यार्थियों को दुपहिया तथा चार पहिया वाहन नहीं चलाने की सलाह दी ।सीट बेल्ट न लगने पर हमारा सर स्टेरिंग पर लग जाता है जिससे मृत्यु भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि हम यातायात के नियमों को जानकर तथा जागरूक होकर विभिन्न सड़क दुर्घटनाओं को बचा सकते हैं।इस अवसर पर ट्रैफिक इंस्पेक्टर विनय कुमार शुक्ला जी ने यातायात क्या है उसके बारे में छात्रों को बताया तथा कहा कि एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के लिए जिस माध्यमों का प्रयोग करते हैं उसे यातायात कहते हैं।उन्होंने संकेत के प्रकार के बारे में बताया संकेत तीन प्रकार के होते हैं। चतुर्भुज ,त्रिभुज, व गोलाकार ,गोलाकार चिन्ह आदेश आत्मक होते हैं तथा इनका पालन करना अनिवार्य होता है। चतुभुजाकार संकेत सूचना प्रदान करने वाले होते हैं इनमें दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाती केवल जानकारी देना इसका उद्देश्य होता है। उन्होंने सड़क पांच प्रकार की होती है उनके बारे में भी छात्रों को विशेष रूप से विस्तार पूर्वक जानकारी दी । ब्लैक स्पॉट के बारे में भी जानकारी दी गई। विद्यालय के विज्ञान शिक्षक श्री राम प्रताप जी ने सड़क सुरक्षा के विभिन्न नियमों की

जानकारी सविस्तार उदाहरणों के माध्यम से दी।इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉक्टर रामकिशन शर्मा जी ने छात्रों व अध्यापकों को शपथ के माध्यम से सड़क सुरक्षा तथा यातायात के नियमों का पालन करने हेतु शपथ दिलाई तथा आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। सभी आगंतुकों का विद्यालय परिसर में स्वागत भी किया गया।स्वागत समारोह में श्री राम प्रताप सिंह ,श्री राजेश कुमार ,श्री जसवीर सिंह , श्री सुरेश कुमार, देवेंद्र सिंह ने माला पहनाकर सभी अतिथियों का स्वागत किया ।आज के कार्यक्रम का सफल संचालक श्री गोपाल शुक्ला ने किया। इस अवसर पर विद्यालय में कुमारी ललिता, कुमारी दिव्या त्रिपाठी, अर्जुन सिंह ,सुनील कुमार ओझा ,श्री संजय कुमार शर्मा ,श्री नेत्रपाल सिंह रोहिताश कुमार शर्मा, जसवंत सिंह ,अर्जुन देव ,श्रीनिवास शर्मा ,सुकेश कुमार आदि लोग मौजूद थे।

गभाना में प्रशिक्षु लेखपाल 10 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा, किया गिरफ्तार

अलीगढ़ जनपद की गभाना तहसील में प्रशिक्षु लेखपाल को एंटी करप्शन की टीम ने गिरफ्तार किया है। लेखपाल मन. माफिक रिपोर्ट लगाने के नाम पर रिश्वत की मांग कर रहा था। एंटी करप्शन की टीम ने 12 नवंबर को गभाना तहसील में प्रशिक्षु लेखपाल के रूप में तैनात गीतम सिंह को गिरफ्तार किया है। गीतम सिंह किसान किशन वीर से किसान दुर्घटना बीमा योजना में मनमाफिक रिपोर्ट लगाने के बदले रिश्वत की मांग कर रहा था। इसकी शिकायत एंटी करप्शन टीम से की गई। नासिर हुसैन के नेतृत्व वाली टीम ने आरोपी प्रशिक्षु लेखपाल को गभाना थाना क्षेत्र के कटरा मोड़ से गिरफ्तार कर लिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार ताजपुर के एक किसान से किसान दुर्घटना बीमा योजना में लाभ की रिपोर्ट लगाने के नाम पर प्रशिक्षु लेखपाल 25 हजार रुपये मांगता था। किसान ने एंटी करप्शन की टीम से सम्पर्क किया। सुबह तय योजना के तहत दोरुऊ के निकट से टीम ने किसान से 10 हजार रुपये लेते समय लेखपाल को रंगे हाथ पकड़ लिया। जिसे गिरफ्तार कर जवां थाने भेजा गया है। बताया जा रहा है कि आरापी लेखपाल की पत्नी यूपी पुलिस में कांस्टेबल है, वर्तमान में उसकी पोस्टिंग इलाहाबाद में है। आरोपी इगलास के केमावली का रहने वाला है।

अलीगढ़ में फेल हुई स्कूली बस की स्टेयरिंग, सवार थे 40 बच्चे ड्राइवर की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

अलीगढ़(जननायक सम्राट)में एक स्कूली बस की स्टेयरिंग फेल होने से बड़ा हादसा होते–होते टल गया। बस में 40 बच्चे सवार थे। चालक की सूझबूझ से बस सड़क किनारे गड्ढे में उतर गई और बड़ा हादसा टल गया। बस यूनियन पब्लिक स्कूल सासनी हाथरस की थी।बस सड़क किनारे गड्ढे में धंसकर रुक गई। हादसा टलने के बाद ड्राइवर ने राहत की सांस ली।उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में मंगलवार को बड़ा हादसा होते बच गया। एक स्कूली बस की स्टेयरिंग फेल होने से वह अनियंत्रित हो गई। हालांकि ड्राइवर की सूझबूझ से बस सड़क किनारे गड्ढे में धंसकर रुक गई। जानकारी के मुताबिक, इस बस में 40 बच्चे सवार थे।विजयगढ़ में मंगलवार को एक स्कूली बस की स्टेयरिंग फेल हो गई। इस दौरान बस पलटने से बच गई। बस यूनियन पब्लिक स्कूल सासनी हाथरस की थी, जिसमें 40 बच्चे थे। सासनी मार्ग पर अचानक स्टेयरिंग फेल होने से अनियंत्रित हो गई। चालक की सूझबूझ से बस पलटने से बच गई और सड़क किनारे गड्ढे में धंसकर रुक गई।

अधिवक्ताओं ने जाम लगाकर किया प्रदर्शन, वकीलों को पीटने वाले पुलिस वालों के निलंबन की उठी मांग

अतरौली (जननायकसम्राट)यूपी के गाजियाबाद में अधिवक्ताओं के साथ मारपीट का विरोध अभी भी जारी है। अलीगढ़ के अतरौली में अधिवक्ताओं ने रामघाट कल्याण मार्ग पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया। अतरौली में अधिवक्ताओं ने सिविल कोर्ट के बाहर रामघाट कल्याण मार्ग पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया। अधिवक्ताओं ने कहा कि गाजियाबाद में अधिवक्ताओं के साथ हुई मारपीट की घटना का जगह–जगह विरोध हो रहा है। अधिवक्ताओं के साथ मारपीट करने वाले गाजियाबाद के पुलिस अधिकारियों का निलंबन होना चाहिए। इस दौरान चंद्रशेखर राजपूत, नीलिमा पाठक, योगेंद्र सिंह वीरवान, चौधरी धुरेंद्र सिंह, केके गौड़, चंद्रशेखर शर्मा, संदीप कौशिक, गुनीश चौधरी, मनोहर लाल वशिष्ठ, ताहिर बहाव, विनीत सिंह, मनोहर सिंह राघव, हरिओम कुमार, फिरोज आलम आदि मौजूद थे।

खैर में अखिलेश यादव की जनसभा 15 को

खैर विधानसभा उपचुनाव में सपा प्रत्याशी चारू कैन के समर्थन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की जनसभा 15 नवंबर को होगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन को लेकर स्थानीय ने. ताओं ने तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी के जिलाध्यक्ष लक्ष्मी धनगर ने बताया कि दोपहर 12रू20 बजे आगरा एयरपोर्ट से निजी हेलिकॉप्टर से राष्ट्रीय अध्यक्ष उड़ान भरेंगे। उनका हेलिकॉप्टर दोपहर 12रू45 बजे कमालपुर टप्पल में बने हेलीपैड पर उतरेगा। उन्होंने कहा कि कमालपुर मालन फॉर्म हाउस के सामने थाना टप्पल में राष्ट्रीय अध्यक्ष जनसभा को संबोधित करेंगे। दोपहर 1रू45 बजे वह प्रस्थान करेंगे।

अलीगढ़ में 34 और आगरा जोन में बनेंगे 25 लघु सेतु

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में लोगों की राह आसान करने के लिए 781 लघु सेतुओं का निर्माण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद लोक निर्माण विभाग ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों व जिला प्रशासन की सिफारिश पर लघु सेतुओं के निर्माण की तैयारी शुरू कर दी है। आगरा जोन में 25, अलीगढ़ जोन में 34 लघु सेतुओं का निर्माण किया जाएगा। प्रदेश के सभी लघु सेतुओं के निर्माण पर 1,443 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। लोक निर्माण विभाग ने बीते माह वर्ष 2024–25 की कार्ययोजना तैयार की थी। विभागीय मंत्री होने के नाते मुख्यमंत्री ने कार्ययोजना वापस कर विभाग को निर्देश दिए थे कि लघु सेतुओं के निर्माण से पहले स्थानीय विधायकों, सांसदों व अन्य जनप्रतिनिधियों तथा जिला प्रशासन से प्रस्ताव मांगे जाएं। नई कार्ययोजना के अनुसार सर्वाधिक 82 लघु सेतुओं का निर्माण लखनऊ जोन में किया जाएगा। आगरा जोन में 25, अलीगढ़ जोन में 34, अयोध्या जोन में 66, गोरखपुर जोन में 64, प्रयागराज जोन में 59, समेत प्रदेशभर में लघु सेतुओं का निर्माण किया जाएगा।

वैदिक मन्त्रों से गुंजित हुआ रामघाट रोड कुंभ कलश .जन–जागरण यात्रा का स्टेडियम में हुआ समापन

अलीगढ़ (जननायक सम्राट) विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन महाकुंभ–2025 का प्रयागराज में 13 जनवरी से आरंभ होने जा रहा है। आमजन को प्रयागराज कुंभ–2025 की भव्यता से परिचित कराने के उद्देश्य से मंगलवार को अवर लेडी आफ फातिमा स्कूल से महारानी अहिल्याबाई होल्कर स्टेडियम तक कुंभ कलश जन–जागरण यात्रा का आयोजन किया गया। कुंभ कलश जन–जागरण यात्रा में पारंपरिक वेशभूषा में सजे–धजे कलाकारों द्वारा नृत्य एवं गीत के माध्यम से कुंभ की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को बड़े ही मनमोहक अंदाज में प्रस्तुत किया गया। अवर लेडी ऑफ फातिमा स्कूल से आगे बढ़ी कुंभ कलश जन–जागरण यात्रा में कलाकारों द्वारा निरंतर उच्चारित वैदिक मन्त्रों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो गया। संपूर्ण यात्रा में भजनों के माध्यम से भक्ति भाव का संचरण हो रहा था।महारानी अहिल्याबाई होल्कर स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित कुंभ कलश जन–जागरण यात्रा के समापन कार्यक्रम में जिला पंचायतराज अधिकारी धनंजय जायसवाल ने कहा कि महाकुंभ देश की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत है, इसलिए प्रत्येक देशवासी को एक बार महाकुंभ प्रयागराज–2025 में अवश्य जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की आध्यात्मिक और ब्रह्मंद्रीय शक्तियों ने सदैव पूरे विश्व को आकर्षित किया है, इसलिए यूनेस्कों ने भी कुंभ को विश्व के सबसे बड़े मेले के रूप में मान्यता दी है।एडी सूचना संदीप कुमार ने कुंभ

कलश यात्रा के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनमानस से आग्रह किया कि प्रयागराज महाकुंभ 2025 के आयोजन को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए इस सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक आयोजन में बढ़–चढ़कर प्रतिभाग कर इसे सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी से आयोजित होने वाला महाकुंभ दिव्य और भव्य होगा। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा कला, संस्कृति और आध्यात्म के समागम की लंबी श्रृंखला तैयार की गई है। आज की युवा पीढ़ी को भी कुंभ से जुड़ी परंपराओं एवं आदर्शों से भी जोड़ा जा रहा है। आ. जादी का अमृत महोत्सव के जिला समन्वयक सुरेन्द्र शर्मा ने कहा कि गुरू ग्रह पूरी पृथ्वी का 12 वर्ष में भ्रमण करते हैं। जब इनका पृथ्वी पर पूरा एक चक्कर लग जाता है तब कुंभ का आयोजन होता है। 144 वर्ष के बाद महाकंभ की आवृत्ति होती है। उन्होंने उपस्थित लोगों से आग्रह किया कि महा. कंभ में प्रतिभाग कर अपने अंदर की आध्यात्मिक चेतना को जगाएं। इस मौके पर पंचायतराज विभाग के अरूण चतुर्वेदी, खेल अधिकारी राम मिलन, जिला व्यायाम शिक्षक सुशील कुमार शर्मा, जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजेश कुमार सिंह चौहान, सुशील शर्मा, नरेंद्र कुमार सेंगर, नीरज, मनोज वार्ष्णेय, बिल्लू सिंह, जगमोहन, प्रदीप कुमार शर्मा, गजराज सिंह, उमेश कुमार वर्मा, शेर सिंह, कपिल कुमार सिंह, गीतिका, शालिनी सोलंकी, रिचा माहेश्वरी, नीतिका वार्ष्णेय, श्वेता शर्मा, मेघा जैन समेत अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अलीगढ़–गोंडा मार्ग न बनने से किसान भड़के, पीडब्ल्यूडी दफ्तर पर जड़ा ताला, अफसर बंधक

अधिशासी अभियंता के जवाब से किसान संतुष्ट नहीं और उन्हें अपने बीच में बंधक बनाकर बिठा लिया। वरिष्ठ अफसरों को बुलाने की मांग गूंजने लगी। कुछ ही देर में सिटी मजिस्ट्रेट रामशंकर, एसीएम व सीओ मौके पर पहुंचे और किसानों से बातचीत कर उन्हें समझाया । मौजूदा समय में अलीगढ़–गोड़ा मार्ग चलने काबिल नहीं है। बीस किलोमीटर के इस मार्ग में दस किलोमीटर का हिस्सा तो बेहद जर्जर हो चुका है। इस मार्ग से 30 गांव जुड़े हैं लेकिन इस सड़क के निर्माण पर न तो जनप्रतिनिधि ही ध्यान दे रहे हैं और न ही प्रशासन। पिछले छह महीने से की जा रही मांग के बा. वजूद भी जब कोई हल नहीं निकला तो किसान भड़क गए और पीडब्ल्यूडी दफ्तर पर ताला जड़ दिया। पांच घंटे तक एक्सईएन को बंधक बना लिया। घंटों यहां हंगामा हुआ। बाद में एडीएम सिटी किसानों के बीच पहुंचे और जल्द निर्माण का आश्वासन देकर किसानों को शांत कराया।11 नवंबर सुबह को बड़ी संख्या में किसान लोकनिर्माण विभाग के कार्यालय पर पहुंचे। यहां जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। किसानों की भीड़ को देख यहां अफरातफरी मच गई। किसानों ने ऐलान किया कि जब पीडब्ल्यूडी वाले सड़क का निर्माण नहीं करा सकते तो दफ्तर किस काम का। दफ्तर पर ताला लगा दिया। जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी।भाकियू चढ़ूनी के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र पाल सिंह ने कहा है कि पिछले छह महीने से क्षेत्र के ग्रामीण व किसान अफसरों और नेताओं के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अलीगढ़– गा. ंडा मार्ग का निर्माण नहीं हो रहा है। आए दिन हादसे हो रहे हैं और इन हादसों में लोग अपनी जान तक गंवा रहे हैं। भाकियू टिकैत के मंडल प्रवक्ता सत्यवीर सिंह सत्तो ने कहा के रोड पर प्रतिदिन कोई न कोई हादसा होता है। इस बीच यहां पहुंचे अधिशासी अभियंता के जवाब से किसान संतुष्ट नहीं और उन्हें अपने बीच में बंधक बनाकर बिठा लिया। वरिष्ठ अफसरों को बुलाने की मांग गूंजने लगी। कुछ ही देर में सिटी मजिस्ट्रेट रामशंकर, एसीएम व सीओ मौके पर पहुंचे और किसानों से बातचीत कर उन्हें समझाया ।अधिशासी अभियंता संजीव पुष्कर ने बताया कि वित्त विभाग से अनुमति मिल चुकी है, शासन से पैसा आना बाकी है। दो माह में काम शुरू होगा। जिस पर किसान सहमत नहीं हुए और अनिश्चितकालीन धरने का ऐलान किया गया। इसके बाद अपर जिलाधिकारी नगर अमित कुमार भट्ट किसानों के बीच पहुंचे और गुस्साए किसानों को शांत कराया। उन्होंने आश्वासन दिया कि 23 नवंबर को चुनाव है इसके बाद 25 नवंबर तक सड़क पर कार्य प्रारंभ कराया जाएगा। इस दौरान अर. विंद चौधरी, जिला प्रभारी गवेंद्र सिंह, मुनेश पाल सिंह, आलोक सिंह, कौशल कुमार सिंह, देवराज सिंह चौधरी, इंद्रपाल सिंह चौधरी, राकेश सिंह, हरिओम सिंह, छोटेलाल सिसोदिया, लालाराम सिसोदिया, भोला चौधरी, वीरपाल सिंह, गोपाल दास शैंकी, विवेक प्रताप सिंह आदि थे।

एटूजैड प्लांट में घोर अव्यवस्थायें देख नगर आयुक्त का चढ़ा पारा–अर्बन कम्पनी और एटूजैड कम्पनी प्रतिनिधियों को लगायी फटकार

अलीगढ़ एटूजैड प्लांट में जमे कचरें से उठने वाली दुर्गध और प्लांट के क्रियाशील होने का भौतिक सत्यापन करने के उदेश्य से मंगलवार को नगर आयुक्त विनोद कुमार ने अचानक एटूजैड प्लांट पहुॅचकर अधीनस्थों में खलबली मचा दी मौके पर नगर आयुक्त के अचानक एटूजैड पहुॅचने पर घोर लाप. रवाही और समस्याए नगर आयुक्त ने रूबारूह हुयी। नगर आयुक्त ने चेहरे पर मास्क लगाकर एटूजैड प्लांट के प्रोसे. सिंग यूनिट, डलाव घर, कचरा तुलाई सहित एटूजैड प्लांट के हर कोने को देखा। अचानक निरीक्षण में नगर आयुक्त को यद्यपि प्रोसेसिंग यूनिट चलती हुयी मिली मगर वहॉ कचरा डलाव पाइंट के अतिरिक्त मुख्य सड़क पर बरसो पुराना कचरा जमा होने, झाड़ू न लगने, कचरे के ऊपर कीटनाशक दवाओं के छिड़काव न मिले, जगह जगह गंदगी व तैनात कर्मचारियों के बिना सुरक्षा और स्वास्थ्य परीक्षण के काम करते हुये मिलने पर नगर आयुक्त ने एटूजैड प्लांट प्रतिनिधि जितेन्द्र की जमकर क्लास लगायी।. निरीक्षण के समय एटूजैड प्लांट में दो नई रिफियूज कम्प्रैक्टर वाहनों के कण्डम स्थिति में खड़े रहने व हैडओवर के बाद भी न उपयोग करने के बारे में अर्बन कम्पनी के प्लांट हैड एहसान सैफी से इसका कारण पूछा मौके पर नगर आयुक्त ने फटकार लगाते हुये कहा इतनी धनराशि की नई गाड़िया कण्डम कर रहें है इसकी लापरवाही के लिये नगर आयुक्त ने सम्बन्धित का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुये जवाब तलब करने के निर्देश दिये।निरीक्षण के समय एटूजैड कम्पनी प्रतिनिधि ने नगर आयुक्त को बताया कि प्लांट में नया सैटअपध्स्टॉक्चर बनवाने के कारण पिछले छह माह से कचरें की प्रोसेसिंग क्षमता में कमी आयी है जिसके कारण कचरा अधिक मात्रा में प्लांट में है इस पर नगर आयुक्त ने फटकार लगाते हुये 20 नवम्बर, 2024 तक प्लांट को पूरी क्षमता से एक्टिव करते हुये प्रतिदिन 250 से 300 एमटी कचरें का निस्तारण करने की डैडलाइन दी। वही नगर आयुक्त ने अर्बन कम्पनी और एटूजैड कम्पनी को अगले 2 दिन की मोहलत देते हुये कचरा डलाव घर के अतिरिक्त पूरे परिसर की विशेष सफाई कराने कण्डम वाहनों को व्यवस्थित करने की कड़ी हिदायत दी।नगर आयुक्त ने एटूजैड प्लांट में आने वाले कचरें की तुलाई पर निगरानी के लिये तत्काल तुलाईध्कांटे सहित एटूजैड परिसर में 10 आईपी कैम. रें स्थापित करते हुये उन्हें तत्काल आई ट्रिपिल सी से इट्रीग्रेट करने के निर्देश अर्बन कम्पनी और एटूजैड कम्पनी प्रति. निधियों को दिये।नगर आयुक्त विनोद कुमार ने बताया कि शहर की साफ सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिये एटूजैड प्लांट का सुचारू रूप से पूरी क्षमता के साथ चलना बेहद जरूरी है वर्तमान में प्लांट में 170–180 एमटी कचरे का निस्तारण हो रही है जबकि 6 माह पहले 220 एमटी कचरें का निस्. तारण हो रहा था आगामी 20 नवम्बर, 2024 तक इसकी क्षमता को बढ़ाकर 250 से 300 एमटी प्रतिदिन करने की हिदायत दी गयी है।

मंगलवार के दिन किन गलतियों को करने से नाराज हो जाते हैं हनुमान जी

मंगलवार का दिन हनुमान जी को समर्पित है. जो लोग इस दिन हनुमान जी की पूजा करते हैं, या व्रत रखते हैं वे हनुमान चालीसा, सुंदरकांड आदि का पाठ करते हैं. लेकिन जो लोग ये सब नहीं कर पाते हैं, वे इस दिन किन बातों का ध्यान रखें.हनुमान जी सबसे जल्दी प्रसन्न होने वाले देवता हैं. ये अपने भक्तों से बहुत जल्दी खुश हो जाते हैं और आशीर्वाद प्रदान करते हैं. लेकिन हनुमान जी को कुछ बातें पसंद नहीं हैं. जो लोग मंगलवार के दिन इन गलतियों को करते हैं, उन्हें हनुमान जी बुरे फल भी प्रदान करते हैं. इस दिन किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, जानते हैं–बाल–नाखून नहीं काटते हैं– मंगलवार के दिन बाल और नाखून नहीं काटने चाहिए. ऐसा माना जाता है कि ऐसा करने से हनुमान जी की कृपा प्राप्त नहीं होती है.नशीले पदार्थ का सेवन करना– हनुमान जी नियम और अनुशासन का पालन करने वाले देवता है. हनुमान जी को नशा आदि करना अच्छा नहीं लगता है. जो लोग इस बात का ध्यान नहीं रखते हैं, उन्हें हनुमान जी के क्रोध का सामना करना पड़ता है.हनुमान जी क्या पसंद है. हनुमान जी को प्रसन्न करने के लिए देवउठानी एकादशी का दिन बेहद उत्तम है. आज के दिन देवतागण जागृत होते हैं. कहते हैं भगवान विष्णु इस दिन से जागते हैं और फिर से पृथ्वी की बागड़ोर अपने हाथों में लेते हैं, यही कारण है कि इस दिन से हिंदू धर्म में शुभ कार्य आरंभ होते हैं, इस दिन से शादी विवाह, मुंडन, गृहप्रवेश जैसे शुभ कार्य आरंभ होते हैं. विशेष बात ये है कि इस दिन की शुरुआत मंगलवार से हो रही है यानि हनुमान जी के दिन से इसलिए इस दिन का महत्व कई गुणा बढ़ जाता है. आज क्या करने से बजरंगवली की कृपा मिलती है, जानते हैं–मंगलवार के दिन हनुमान जी को सिंदूर लगाएं, ऐसा करने से जीवन की परेशानियों से मुक्ति मिलती है.मंगलवार को दान करने से भी हनुमान जी प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों को कष्टों से दूर रखते हैं.दीन–हीन लोगों की मदद करने से हनुमान जी बहुत खुश होते हैं,

देवउठनी एकादशी के दिन खाटू श्याम बाबा का जन्मदिन

हारे का सहारा बाबा खाटू श्याम का जन्मदिन हर साल बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है. इस मौके पर रा. जस्थान के सीकर जिले में स्थित खाटू श्याम जी के मंदिर में लगे कार्तिक मेले भी भक्तों की खूब भीड़ उमड़ती है. बाबा खाटू श्याम को कलयुग का देवता माना जाता है. खाटू श्याम का जन्मदिन खाटू श्याम का जन्मदिन कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की ग्यारस यानी एकादशी तिथि को मनाई जाती है, जोकि आज 12 नवंबर 2024 को है. हालांकि कुछ भक्त फाल्गुन महीने की ग्यारस को भी खाटू श्याम बाबा की जयंती मनाते हैं. इन्हें कलयुग का देवता कहा जाता है. धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण के वरदान के कारण कलयुग में भीम के पोते और घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक जन्म हुआ. बर्बरीक को ही कलयुग में बाबा खाटू श्याम के नाम से पूजा जाता है. कुछ भक्त खाटू श्याम को श्रीकृष्ण का ही कलयुगी अवतार मानते हैं. पौराणिक कथा के अनुसार, श्रीकृष्ण ने ही महाभारत के समय बर्बरीक को यह वरदान दिया था कि तुम कलयुग में मेरे 'श्याम' नाम से पूरे जाओगे. इसलिए इन्हें खाटू श्याम कहा जाता है.राजस्थान के सीकर जिले से 43 किला. मीटर की दूरी पर खाटू श्याम का मंदिर है. मंदिर में श्याम बाबा के जन्मोत्सव पर भक्तों की भारी भीड़ रहती है. मंदिर को आलौकिक रूप से सजाया जाता है, सतंरगी फूलों से बाबा श्याम का श्रृंगार किया जाता है, विशेष पूजा–अर्चना होती है और गाय के दूध का भोग लगाया जाता है.खाटू श्याम बाबा को लेकर पैराणिक कथाओं में ऐसा वर्णन मिलता है कि, उन्होंने श्रीकृष्ण के कहने पर अपना शीश दान कर दिया था. इसलिए इन्हें शीशदानी भी कहा जाता है. सीकर जिले में ही बाबा का शीश प्रकट हुआ था. इसलिए श्याम बाबा के शीश स्वरूप की पूजा होती है.

शनि मार्गी होते ही हो जाएंगे शक्तिशाली, शांत रखने के लिए काले कुत्ते से जुड़ा कर लें ये उपाय

शनि मार्गी होने में अब अधिक समय नहीं लेंगे. शनि 139 दिन बाद सीधी चाल चलेंगे. हिंदू पंचांग के अनुसार शनि 15 नवंबर 2024 को कार्तिक पूर्णिमा के दिन मार्गी हो रहे हैं, जिसका प्रभाव सभी पर पड़ने जा रहा है. ज्योतिष में शनि ग्रह को विशेष दर्जा प्राप्त है. शनि कर्मफलदाता हैं. जिसका काम लोगों को कर्मों के अनुसार फल प्रदान करना है. ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास की मानें तो शनि देव अपनी साढ़ेसाती, ढैय्या और अपनी महादशा व अंर्तदशा में व्यक्ति को सबसे अधिक प्रभावित करते हैं. शनि देव व्यक्ति के कर्मों के आधार पर फल प्रदान करने वाले देवता के रूप में जाने जाते हैं. शनि देव तुला राशि में उच्च के और मेष राशि में नीच के ग्रह माने जाते हैं. बुध और शुक्र ग्रह के साथ इनकी मित्रता है जबकि सूर्य, चंद्रमा और मंगल ग्रह इनके शत्रु माने जाते हैं. शनि देव पुष्य, अनुराधा और पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र के स्वामी हैं. शनि एक राशि से दूसरी राशि में गोचर करने के लिए लगभग ढाई वर्षों का समय लगाते हैं. शनि मार्गी का देश–दुनिया पर क्या असर होगा?भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डॉ. अनीष व्यास बताते हैं कि भवन निर्माण, कृषि कार्य, इंजीनियर, इलेक्ट्रॉनिक, क्रेशर ,मार्बल, लकड़ी ,गैस ठेकेदारी, बिल्डिंग मटेरियल से जुड़े कर्म क्षेत्रों से जुड़े लोगों को शुभ लाभ होने वाला रहेगा. इसके साथ ही जिन जातक. ों को नई नौकरी की तलाश थी. उनको नई नौकरी की मिलने की संभावनाएं बनेंगी. साथ ही धर्म क्षेत्र का अस्तित्व पूरे विश्व में बढ़ेगा. बीमारियों के इलाज में भी नए–नए आविष्कार होंगे. नई–नई दवाइयां और तकनीक विकसित होगी. पेट से ,हृदय से, तथा कैंसर से जूझ रहे जातकों को राहत मिलनी शुरू हो जाएगी. दुर्घटनाएं अप्रिय घटनाएं हिंसा, प्राकृतिक आपदा होने की आशंका. फिल्म एवं राजनीति से दुखद समाचार. वायुयान दुर्घटना होने की संभावना. पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा. राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप ज्यादा होंगे. सत्ता संगठन में बदलाव होंगे. पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा. आंदोलन, हिंसा, धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, वायुयान दुर्घटना, विमान में खराबी, उपद्रव और आगजनी की स्थितियां बन सकती है. शनि दोष से मुक्ति पाने के लिए उपाय डॉक्टर अनीष व्यास शनि के उपाय बताते हुए कहते हैं कि शिव उपासना और हनुमान जी की उपासना करने से शनि शांत रहते हैं. वहीं मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी की पूजा करें. हनुमान चालीसा एवं शनि चालीसा का पाठ करें. शनिवार के दिन शनि मंदिर में छाया दान अवश्य करें. गरीब, वृद्ध, असहाय लोगों को भोजन कराएं. पशु पक्षियों के लिए दाने, हरे चारे, पानी की व्यवस्था करें. तेल का दान भी करना चाहिए.तेल दान करने से आपको अपने कष्टों से छुटकारा मिलता है. शनिवार को लोहे से बनी चीजों को दान करना चाहिए. इस दिन लोहे का सामान दान करने से शनि देव शांत होते हैं. लोहा दान देने से शनि की दृष्टि निर्मल होती है. रुद्राक्ष की माला लेकर एक सौ आठ बार शं शनैश्चराय नमः का जप करें, शनि देव की कृपा बनेगी और कष्ट दूर होंगे. काले कुत्ते को शनिवार के दिन सरसों के तेल से बनी रोटी खिलाएं. सूर्यास्त के समय पीपल के पेड़ के पास सरसों के तेल का दीपक जलाने से शनि दोष से मुक्ति मिलती है.

10 साल के बाल संत को याद हैं 21 ग्रंथों के 3100 श्लोक, प्रेमानंद महाराज भी फैन, हर कोई कर रहा तारीफ

वृंदावन के 10 वर्षीय बाल कथा वाचक माधव दास ने न केवल देशभर में बल्कि विदेशों में भी अपनी पहचान बनाई है. इस अद्भुत बाल संत में इतनी अद्वितीय क्षमता है कि वह बिना रुके एक के बाद एक श्लोक सुनाने में माहिर है. ढाई साल की उम्र से ही इस बालक ने आध्यात्मिक पथ पर कदम रखा, और इसके पिता भी इस्कॉन मंदिर के भक्त हैं. माधव दास की प्रतिभा ने सभी को हैरान कर दिया है. जिसने भी इस बच्चे के मुख से श्लोक सुने, वह चकित रह गया. उसकी लोकप्रियता अब विदेशों में भी बढ़ रही है. अपनी तेज मेमोरी के कारण, इस बाल संत ने 21 ग्रंथों के लगभग 3100 श्लोक कंठस्थ कर लिए हैं. लोग उसकी अद्वितीय प्रतिभा से इतने प्रभावित हैं कि उसे सुनने के बाद इसके दीवाने हो जाते हैं.कहावत है कि पूत के पांव पालने में ही दिख जाते हैं, और माधव इसका जीता–जागता उदाहरण है. जिस उम्र में बच्चे खेलकूद और मस्ती में रहते हैं, उस उम्र में इस बच्चे ने ग्रंथों के श्लोकों को याद करना और प्रस्तुत करना शुरू कर दिया था. उसकी इस अद्वितीय प्रतिभा को देख स्वयं प्रेमानंद महाराज भी आश्चर्यचकित हैं.माधव दास का जन्म वृंदावन में हुआ, और सिर्फ ढाई साल की उम्र से ही उसने ग्रंथों के श्लोक लोगों को सुनाना शुरू कर दिया. परिवार के सदस्य उसे ईश्वर का चमत्कार मानते हैं. अब यह बाल संत भागवत कथा सुनाने के लिए विदेशों का दौरा भी करेगा.माधव दास ने अपने ज्ञान और श्लोकों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया है. जहाँ भी वह जाता है, लोग उसकी वाणी सुनकर प्रभावित हो जाते हैं. बड़े–बड़े सेमिनारों में वह गीता का ज्ञान साझा करता है और लोगों को गीता के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है.

शादी में दूल्हा–दुल्हन को क्यों लगाई जाती है हल्दी और मेहंदी!

अहमदाबादरू शादियों का मौसम आने वाला है, और इस दौरान कई प्राचीन रीति–रिवाज निभाए जाते हैं. शादी में निभाई जाने वाली हर रस्म की अपनी विशेष मान्यता और परंपरा होती है. अंत. रराष्ट्रीय ज्योतिषी एवं वास्तु विशेषज्ञ रविभाई जोशी ने शादी में पिठ्ठी और मे. हंदी लगाने की परंपरा के पीछे छिपे महत्व पर प्रकाश डाला. रविभाई जोशी के अनुसार, शादी से एक या दो दिन पहले दुल्हन के हाथों पर उसके भावी पति के नाम की मेंहदी लगाने की रस्म होती है. कुछ स्थानों पर दूल्हे के हाथों पर भी मेंहदी लगाई जाती है, जिसे शुभ और सौंदर्यवर्धक माना जाता है. मेंहदी की यह रस्म दूल्हा–दुल्हन की खूबसूरती में चार चांद लगाती है और शादी का वातावरण रंगीन बनाती है.शास्त्रों में मेंहदी का महत्व शास्त्रों के अनुसार, मेंहदी लगाने का स्थान खासकर हाथ होते हैं क्योंकि मेंहदी का पेड़ नकारात्मक ऊर्जा और बुरी नजर को दूर करने में सहायक माना जाता है. इसके अलावा, मेंहदी से दूल्हा–दुल्हन को मानसिक शांति मिलती है. इस रस्म में यह भी मान्यता है कि मेंहदी का रंग जितना गहरा होता है, दुल्हन को अपने पति से उतना ही अधिक प्रेम मिलता है और उनका वैवाहिक जीवन सफल होता है. पीठी छोलावा रस्म का अनोखा महत्व विवाह समारोह में पीठी छोलावा रस्म का भी विशेष महत्व होता है. इसमें दूल्हा–दुल्हन को मांडवा के नीचे बेंच पर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके बैठाया जाता है. परिवार की महिलाएं उन्हें हल्दी या उबटन लगाती हैं और विवाह गीत गाती हैं. इस रस्म के माध्यम से शादी में आए मेहमानों से दूल्हा–दुल्हन को किसी भी संक्रमण से बचाने का प्रयास किया जाता है.हल्दी और उबटन का औषधीय लाभआयुर्वेद के अनुसार, हल्दी एक एंटीबायोटिक और कीटाणुनाशक है. प्राचीन समय में जब कोई कॉस्मेटिक उत्पाद नहीं थे, तब हल्दी और उबटन का प्रयोग सौंदर्य निखारने के लिए किया जाता था. इससे दूल्हा–दुल्हन को न केवल संक्रमण से बचाव मिलता है बल्कि उनकी त्वचा की सुंदरता भी बढ़ती है. आधुनिक समय में लोग फेस पैक और स्क्रब का उपयोग करते हैं, लेकिन हल्दी की परंपरा आज भी कायम है.पीले रंग की धार्मिक और ज्योतिषीय महत्ताहल्दी का पीला रंग धार्मिक दृष्टि से अत्यंत शुभ माना जाता है और विवाह जैसे शुभ कार्यों में इसका उपयोग होता है. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, पीला रंग बृहस्पति ग्रह का प्रतीक है और हल्दी के लेप से दूल्हा–दुल्हन को इस ग्रह का आशीर्वाद प्राप्त होता है, जो सुखी वैवाहिक जीवन के लिए अनुकूल माना गया है.त्वचा की देखभाल में हल्दी का महत्व त्वचा विशेषज्ञ डॉ. मैत्रीबेन पटेल के अनुसार, आजकल बढ़ते प्रदूषण और अन्य कारकों के कारण त्वचा पर नकारात्मक असर होता है. त्वचा की समस्याओं से बचने के लिए हल्दी या उबटन का लेप एक प्राकृतिक और लाभकारी उपाय है. यह दूल्हा–दुल्हन की त्वचा को न केवल सुंदर बनाता है, बल्कि उन्हें खुजली, दाग–धब्बे जैसी समस्याओं से भी राहत देता है.

आवश्यकता है

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें –

अमित कुमार वर्मा -संम्पादक

मौ:-8218049162,8273402499

जननायक सम्राट

हिन्दी साप्ताहिक

मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित

सम्पादक-अमित कुमार वर्मा

सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा